आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 30.01.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में जन–जन की सरकार जन–जन के द्वार कार्यक्रम जारी। अब तक पांच सौ से अधिक शिविरों के माध्यम से चार लाख से ज्यादा नागरिकों को सरकार की योजनाओं से जोड़ा गया।
- देहरादून में प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत 50 जगहों पर ऑटोमेटिक बॉटल क्रशर मशीनें लगाई जाएंगी।
- नैनीताल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ई–गवर्नेस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु।
- अल्मोड़ा में संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न।

जन–जन की सरकार

प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्यभर में जन–जन की सरकार जन–जन के द्वारा कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन लगातार जारी है। प्रदेश में अब तक पांच सौ से अधिक शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से चार लाख से ज्यादा नागरिकों को सरकार की योजनाओं से जोड़ा गया है। इनके माध्यम से आम जनता को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। सरकार का यह प्रयास विशेष रूप से ग्रामीण, दूरस्थ और वंचित वर्गों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाया जाए और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का समयबद्ध लाभ मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविरों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आयोजित हो रहे ये शिविर, उत्तराखंड सरकार की सुशासन, सेवा और समर्पण की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करते हैं तथा आम जनता में सरकार के प्रति विश्वास को और मजबूत कर रहे हैं।

बॉटल क्रशर मशीन

देहरादून नगर निगम ने प्लास्टिक मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के लिए ऑटोमेटिक प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन की शुरुआत की है। नगर निगम देहरादून की ओर से ट्रायल के तौर पर प्रमुख पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, शैक्षणिक संस्थानों, पार्कों, सरकारी भवनों और शहर के मुख्य चौराहों समेत 50 जगहों पर ये मशीनें लगाई जाएंगी। इसका मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण पर नियंत्रण करना और प्लास्टिक वेस्ट को रिसाइकल कर उपयोगी सामान बनाना है।

मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक और प्लास्टिक मुक्त उत्तराखंड के संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है।

नगर आयुक्त नमामि बंसल ने बताया कि इन मशीनों का संचालन एक निजी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। नगर निगम रिसाइकल से बनी उपयोगी वस्तुओं से को शहर के मुख्य चौक–चौराहों पर सजावट के रूप में उपयोग करेगा।

संपूर्णता अभियान

नीति आयोग के दिशा–निर्देश पर ऊधमसिंह नगर के जिला सभागार में संपूर्णता अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि अभियान के तहत आकांक्षी जिला और आकांक्षी विकासखंड के तहत छह संकेतकों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल तक सभी संकेतकों को पूर्ण रूप से संतृप्तिकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

लघु फिल्म

प्रदेश में लागू किए गए देश के सबसे सख्त नकल विरोधी कानून पर आधारित लघु फिल्म "आखिरी कोशिश" का विमोचन किया गया। यह फिल्म युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने वाले राज्य सरकार के ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करती है। गौरतलब है कि इस कठोर कानून के सख्त क्रियान्वयन के परिणाम स्वरूप 28 हजार से अधिक युवाओं को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्राप्त हुई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ई–गवर्नेस विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु हो गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से 31 जनवरी तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमी के महानिदेशक बी.पी पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से शासकीय सेवाएं अधिक पारदर्शी, दक्ष और नागरिक केंद्रित बन सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को अपने विभागों में इसके उपयोग के क्षेत्रों की पहचान करने पर जोर दिया। देश के विभिन्न राज्यों और विभागों से 30 अधिकारी प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल अवधारणाएं, स्मार्ट और उत्तरदायी शासन में इसकी भूमिका, सुदृढ़ अवसंरचना, जेनरेटिव एआई, आदि से जुड़े विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संस्कृति कार्यशाला

उत्तराखंड संस्कृति विभाग की ओर से पंडित जीबी पंत राजकीय संग्रहालय अल्मोड़ा में संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हो गई। लोक गायिका और कार्यशाला की मास्टर ट्रेनर लता पाण्डेय ने कहा कि विलुप्ति के कगार पर कुमाउंनी संस्कृति से जुड़े लोक गीतों के संरक्षण व संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। नगर निगम अल्मोड़ा के मेयर अजय वर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विलुप्त हो रही संस्कृति को भी बचाया जा सकेगा।

संस्कृति संवर्धन किट

चंपावत जिले में नशा मुक्त भारत अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल की है। इसके तहत बालेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार के नेतृत्व में महंत पवन गिरी को संस्कृति संवर्धन किट भेंट की गई। इस किट में पुस्तकें, वाद्य यंत्र और जागरूकता सामग्री शामिल हैं, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों से दिया गया संदेश, समाज पर गहरा प्रभाव डालता है और युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। जिला प्रशासन ने इसे नशा मुक्त, जागरूक और संस्कारवान समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।